महत्वपूर्ण एवं खास

सीएम बघेल बोले मैंने राजनाथ के बेटे के खिलाफ़ प्रचार किया तो एफआईआर होगा

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल पर हुए एफ आईआर पर उन्होंने ट्वीट कर केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह पर निशाना साधा है। उन्होंने लिखा है कि मेरी अपनी सुरक्षा का घेरा, उत्तर प्रदेश का पुलिस महकमा और फिर मीडिया के दर्जनों साथी। उस पर गांव की तंग गलियां और लोगों का कांग्रेस के प्रति उत्साह। कुल जमा चार लोग मेरे साथ थे पर भीड़ दिखने लगी। और मा. राजनाथ जी के बेटे के खिलाफ़ प्रचार करें तो इतना तो होगा।

कोरबा-यशवंतपुर एक्सप्रेस 20 को परिवर्तित मार्ग से चलेगी

रायपुर (आरएनएस)। कोरबा से चलने वाली कोरबा-यशवंतपुर एक्सप्रेस 20 जनवरी को परिवर्तित मार्ग से चलेगी। दक्षिण मध्य रेलवे से प्राप्त जानकारी के अनुसार मालुगुर स्टेशन के समीप समपार फाटक में रोड अंडरब्रिज निर्माण कार्य किया जा रहा है जिसके चलते 20 जनवरी को कोरबा से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 12252 कोरबा-यशवंतपुर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग धौंन-पेंडकड्डु-रेनिगुंटा-जोलरपेट्टी-यशवंतपुर से चलेगी।

60 किलो गांजे के साथ एक गिरफ्तार

महासमुंद (आरएनएस)। कार में भारत सरकार लिखी तख्ती के सहारे तस्कर ने सिंघोड़ा थाना के रेहटीखोल चेकपोस्ट को बिना किसी जांच के पार तो कर लिया, लेकिन सरायपाली आते ही वह पकड़ा गया। पुलिस ने कार में सवार एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। वहीं कार से 60 किलो गांजा भी बरामद किया है। तस्कर के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। जब्त गांजा की कीमत 12 लाख एवं परिवहन में प्रयुक्त कार की कीमत 2 लाख रुपए आंकी गई है। थाना प्रभारी आशीष वासनिक ने बताया कि गांजा तस्करी के आरोप में वार्ड 15 मनेंद्रगढ़ जिला कोरिया निवासी राशीद खान(22) को गिरफ्तार किया है। तस्कर ने पुलिस को चकमा देने के लिए कार के सामने भारत सरकार की तख्ती लगाई थी। इसी के सहारे ही उसने रेहटीखोल बैरियर पार किया। वहां मौजूद पुलिस ने तख्ती देखकर गाड़ी की जांच नहीं की। सरायपाली पुलिस को पहले से ही मुखबिर से सूचना मिल गई थी। इसी सूचना पर पुलिस ने उसे घेराबंदी कर पकड़ लिया। थाना प्रभारी ने बताया कि तस्कर ने गाड़ी का नंबर भी चेंज कर दिया था।

करोड़ों के एटीएम धोखाधड़ी व गबन का फरार आरोपी गिरफ्तार

» इससे पूर्व तीन आरोपी सहित कुल 04 आरोपी पकड़ाए 01 फरार

जगदलपुर (आरएनएस)। जिले की कोतवाली थाना पुलिस ने एटीएम में राशि जमा नहीं कर करोड़ो की धोखाधड़ी एवं गबन करने के मामले में पूर्व में 03 आरोपी योगेश यादव, कैलाश यादव, ललित नारायण साहू को गिरफ्तार किया गया था, तथा इस मामले का दो अन्य आरोपी राजा फिरोज खान और मोहम्मद मंजूर रजा फरार थे। इसमें से फरार आरोपी मोहम्मद मंजूर रजा को आज गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी मंजूर रजा के कब्जे से एक होण्डा सिटी कार क्रमांक सीजी 04-एनएल 4499, लेपटाप, मोबाईल, स्मार्टवाच बरामद कर जप्त किया गया है। वहीं एक अन्य आरोपी राजा फिरोज खान अभी भी फरार है। आरोपी मोहम्मद मंजूर रजा से पूछताछ पर बताया गया है कि इसके द्वारा सीएमएस कंपनी के कस्टोडियन योगेश यादव, कैलाश यादव एवं आडिटर ललित नारायण साहू के साथ मिलकर जिले के अलग-अलग एटीएम में निर्धारित राशि से कम राशि डालकर अंतर की राशि व्यक्तिगत उपयोग, महंगे सामान एवं शौक शौकत में खर्च करना बताया है, एवं उक्त राशि में से अधिकांश राशि ऑनलाईन बेटिंग कर रूपये पैसे हार जाना बताया है।

लघु वनोपजों की खरीदी में छत्तीसगढ़ पूरे देश में अव्वल

» तीन वर्षों में छत्तीसगढ़ हर्बल उत्पाद की बिक्री में 1090प्रतिशत का इजाफा

» लघु वनोपजों से संवर रहा है छत्तीसगढ़ के वनवासियों का जीवन

» मुख्यमंत्री के प्रयासों से हो रही है अधिकतम लघु वनोपजों की खरीदी

» छत्तीसगढ़ हर्बल के माध्यम से छत्तीसगढ़ की बन रही है विश्वव्यापी पहचान

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ राज्य ने एक नया कीर्तिमान कायम करते हुए बीते तीन वर्षों में छत्तीसगढ़ हर्बल उत्पाद की बिक्री में 1090 फीसदी की बढ़ोत्तरी की है। वर्ष 2017-18 में छत्तीसगढ़ हर्बल उत्पाद की बिक्री 1 करोड़ 26 लाख रूपए थी जो वर्ष 2018-19 में 8.7 फीसदी बढ़कर 1 करोड़ 37 लाख रूपए तक पहुंची थी। वर्ष 2019-20 में छत्तीसगढ़ हर्बल उत्पादों की बिक्री 1 करोड़ 25 लाख रूपए की रही। वर्ष 2020-21 में विगत आंकड़ों से 70 फीसदी की वृद्धि के साथ छत्तीसगढ़ हर्बल उत्पाद की बिक्री 2 करोड़ 15 लाख रूपए रही। वर्ष 2021-22 में छत्तीसगढ़ हर्बल के उत्पादों की बिक्री के लिए 7 करोड़ रूपए का लक्ष्य रखा गया था वित्तीय वर्ष के शुरुआती 9 माह में ही लक्ष्य के विरूद्ध 4 करोड़ 34 लाख रूपए के उत्पादों की बिक्री की जा चुकी है। यह 2017-18 के विरूद्ध 455 फीसदी ज्यादा है। इसी तरह से छत्तीसगढ़ सरकार ने वर्ष 2022-23 के लिए छत्तीसगढ़ हर्बल उत्पादों की बिक्री के लिए 15 करोड़ रूपए का लक्ष्य रखा है और यह लक्ष्य साल 2017-18 की तुलना में 1090 फीसदी अधिक है।

छत्तीसगढ़ राज्य सन 2000 में मध्यप्रदेश से अलग होकर एक नया राज्य बना था, तब छत्तीसगढ़ को कोई जानता भी नहीं था परन्तु धीरे धीरे छत्तीसगढ़ अब हर क्षेत्र में आगे आते जा रहा है। उन्हीं में से एक क्षेत्र है लघु वनोपज संग्रहण का क्षेत्र जिसमे छत्तीसगढ़ ने अपना पहला स्थान बरकरार रखा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व और वन मंत्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में राज्य में लघु वनोपजों के संग्रहण और छत्तीसगढ़ हर्बल के उत्पाद की बिक्री का आंकड़ा दिनों-दिन बढ़ रहा है।

छत्तीसगढ़ हर्बल्स, छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज (व्यापार और विकास) सहकारी संघ की एक इकाई है। छत्तीसगढ़ राज्य में प्रचुर मात्रा में पाए जाने वाले प्राकृतिक संसाधन, जंगलों में और उसके आसपास रहने वाले व्यक्तियों, विशेषकर आदिवासियों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज (व्यापार और विकास) सहकारी संघ यह प्रयास कर रहा है कि मूल्यवान संसाधनों को छत्तीसगढ़ के स्थायी मॉडल में सुरक्षित और एकत्र किया जाए। वर्तमान में छत्तीसगढ़ राज्य में 52 लघु वनोपजों की समर्थन मूल्य पर खरीद की जा रही है, जबकि तीन वर्ष पहले यहां सिर्फ 7 लघु वनोपजों की खरीदी समर्थन मूल्य पर होती थी। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की दूरदर्शिता और प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग के सकारात्मक दृष्टिकोण की वजह से छत्तीसगढ़ हर्बल्स के प्रोडक्ट आन लाइन माध्यम से पूरे भारत में बिक रहे हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज (व्यापार और विकास) सहकारी संघ वनवासियों से 52 लघु वनोपज खरीदता है और 150 से अधिक मूल्य वर्धित उत्पादों का उत्पादन कर रहा है। संघ ने उत्पादों की खुदरा बिक्री के लिए राज्य के सभी प्रमुख जिलों में 30 संजीवनी केंद्र स्थापित किए हैं। वर्ष 2021-2022 के दौरान, छत्तीसगढ़ हर्बल्स के उत्पादों की बिक्री को बढ़ावा देने के लिए संघ ने विभिन्न नई रणनीतियों को अपनाया और नई बिक्री तकनीकों को लागू किया।

छत्तीसगढ़ हर्बल्स के उत्पादों की बिक्री के लिए सर्वप्रथम वितरण नेटवर्क प्रबंधन तैयार किया गया और इसके लिए एक निजी फर्म को काम दिया गया जिससे वितरण के लिए नए क्षेत्र खुले। मार्च 2021 में छत्तीसगढ़ हर्बल्स के अधिकृत वितरक के रूप में अवनि आयुर्वेद प्राइवेट लिमिटेड को नियुक्त किया गया।

इंदौर सामूहिक दुष्कर्म कांड में फरार आरोपी बेमेतरा से गिरफ्तार, धारदार हथियार जब्त

बेमेतरा/रायपुर (आरएनएस)। इंदौर दुष्कर्म कांड के कुछ आरोपियों के बेमेतरा में छिपे होने की सूचना पर पुलिस टीम बेमेतरा से दो दर्जन से अधिक प्रकरणों में फरार आरोपी विपिन भदौरीया को धारदार हथियार के साथ हाउसिंग बोर्ड कालोनी से गिरफ्तार किया गया। इंदौर सामूहिक दुष्कर्म कांड में मुख्य आरोपी राजेश विश्वकर्मा ने विपिन भदौरीया, आनंद सहानी, सिद्धीक को इस अपराध की फरयादीया को मारने के लिए भेजा गया था। जो अपनी पहचान छुपा कर कुछ दिनों तक सबेरा लाज में पान मसाला के एजेंट बताकर रहे एवं इसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से फरीयादीया के घर के पास हाउसिंग बोर्ड कालोनी में मकान लेकर छुपकर रह रहे थे। पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह ने महिला संबंधी प्रकरण होने की सूचना जिले के कलेक्टर विलास भोसकर संदीपान को दी, जो मौके पर पहुंचे। कलेक्टर और एसपी ने संयुक्त रूप से आरोपी और फरियादीया के परिजनों से पूछताछ की। आरोपियों के विरूद्ध थाना बेमेतरा में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। कायम कर विवेचना में लिया गया है। आरोपी विपिन भदौरिया उम्र 37 साल जिला आगरा (उप्र) को न्यायिक अभिरक्षा के लिए न्यायालय में पेश किया जा रहा है। साथ ही अन्य आरोपी राजेश विश्वकर्मा, आनंद सहानी गोरखपुर उत्तर प्रदेश, हाल नागदा मध्य प्रदेश, सिद्धीक मांग्लिया इंदौर की तलाश जारी है।

नानगूर और जगदलपुर से मिले सर्वाधिक संक्रमित, संक्रमितों में से 55 लापता

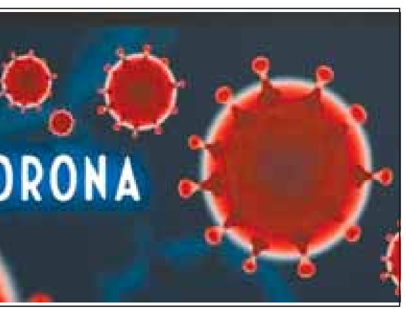

जगदलपुर (आरएनएस)। जिले में कोरोना के अधिकांश मामले जगदलपुर और नानगूर में देखने को मिल रहे हैं। वहीं अन्य ब्लाकों में कोरोना के सरसों की वृद्धि दर कम है। नए मिल रहे कोरोना संक्रमितों में से 55 के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पा रही है। स्वास्थ्य विभाग 55 लापता लोगों के बारे में पता लगाने की कोशिश कर रहा है। बस्तर जिले में इस समय 266 एक्टिव केस हैं, इनमें से 188 होम आइसोलेशन में रह रहे हैं, जबकि बकावंड के कोविड केयर सेंटर में 19 लोगों का इलाज चल रहा है। चिकित्सको का कहना है कि पॉजिटिव मरीजों की स्थिति सामान्य है। दूसरी लहर में जिस तरह मरीजों की स्थिति गंभीर बनी हुई थी, इस बार ऐसा देखने को नहीं मिल रहा है। इसकी मुख्य वजह लोगों के द्वारा वैक्सिनेशन करवाए जाने का भी बताया जा रहा है। पर मरीजों को सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि आरटीपीसीआर के सैंपल से पॉजीटिव पाए जा रहे लोगों की संख्या कम है। रैपिड टेस्ट में सर्वाधिक पॉजीटिव मरीज मिल रहे हैं।

बस्तर जिले में शहरी क्षेत्र के अलावा नानगूर में सबसे अधिक कोरोना के संक्रमित पहचाने जा रहे हैं। पॉजीटिविटी रेट नानगूर में बढ़कर 8.9 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। जबकि सभी ब्लाकों की मिलाकर औसत संक्रमण दर 03 प्रतिशत बताई गई है। बास्तानार, दरभा और लोहंडीगुड़ा में कोविड की स्थिति सबसे संतोष जनक है, यहां संक्रमण की दर शून्य है। तोकापाल में 3.6, बस्तर ब्लाक में 1.5 बकावंड में 1.6 और जगदलपुर शहरी इलाके में पॉजीटिविटी दर 3.5 बताया गया है। हालांकि मरीजों के मिलने के आधार पर यह आंकड़े बदलते रहते हैं, लेकिन नानगूर की संक्रमण दर ने स्वास्थ विभाग की चिंता बढ़ा दी है।

भिलाईयन ने खोजी न्यूनतम कीमत में हृदयगति-मापन विधि

» रिफ्लेक्टोकार्डियोग्राफी तकनीक का अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका में हुआ प्रकाशन

भिलाई (आरएनएस)। भिलाई में पले बढ़े, डॉ. अरिंदम कुशाग्र, अपने साइंटिफिक रिसर्च से एक अति महत्वपूर्ण चिकित्सकीय जांच की प्रक्रिया को सरल करने में सफलता पाई है। वर्तमान में किसी भी व्यक्ति के दिल धड़कने के रिदम की जांच करने के लिए भारी भरकम मशीनों की ज़रूरत पड़ती है। डॉ कुशाग्र ने ऐसी तकनीक ईजाद की है जिसमे यह जांच आसानी से उपलब्ध सामान्य चीज़ों से हो जाएगी।

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर 10 से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद वे बायोटेक्नोलॉजी में बी.टेक. व एम.टेक. की पढ़ाई करने हेतु आई.आई.टी. खड़गपुर चले गए। वहीं से उनका रुझान नवीन शोध-कार्यों की ओर बन गया। तत्पश्चात् उन्होंने पी.एच.डी. एवं पोस्टडॉक की अवधि आई.आई.टी. मुंबई एवं आई.आई.टी. दिल्ली में पूरी की। अभी वे अमिटि विश्वविद्यालय कोलकाता में नैनोटेक्नोलॉजी के असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं।

वे लगातार नवीन शोध-कार्यों में संलिप्त रहे हैं और अनेक अंतर्राष्ट्रीय शोध-पत्र एवं पेटेंट्स प्रकाशित करते रहे हैं। पूर्व में उन्होंने केवल सरसों के तेल का उपयोग करते हुए pH-मापन प्रणाली का आविष्कार किया है एवं तेल-पानी की सम्मिलित सतह का उपयोग करते हुए DC वोल्टेज लगाकर अल्टरनेटिंग करंट बनाने का भी आविष्कार किया है।

हाल ही में उन्होंने AIP Advances नामक अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन में (प्रकाशकः American Institute of Physics) एक शोध-पत्र प्रकाशित किया है, जिसमें उन्होंने न्यूनतम कीमत में हृदयगति-मापन विधि का आविष्कार किया है। यह विधि बहुत ही आसानी से हृदयगति-मापन करने में समर्थ है और इसे कोई भी लेटा हुआ व्यक्ति, कहीं भी कर सकता है। आवश्यकता है केवल एक चमकदार वस्तु अथवा एक आईने की, जिसे पेट के ऊपर रखकर इस विधि को सरलतापूर्वक पूरा किया जा सकता है। इस विधि को उन्होंने रिफ्लेक्टोकार्डियोग्राफी (reflectocardiography) (RCG) नाम भी दिया है। इस विधि द्वारा दुर्गम स्थानों पर, जहाँ मूलभूत चिकित्सा सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हो पातीं, हृदयघात के मरीजों को भी समय रहते चिन्हित किया जा सकेगा एवं यह विधि चिकित्सकों व चिकित्सा-क्षेत्र से जुड़े शोधकर्ताओं के लिए बेहद रुचिकर साबित होगी।

गांव-गांव में पारंपरिक डंडा लोक नृत्य की धूम

कोरबा (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के पारंपरिक डंडा नृत्य इन दिनों गांव-गांव में किया जा रहा है। बांस के डंडो पर आधारित यह नृत्य यह छत्तीसगढ़ का प्रसिद्ध और पारंपरिक लोक नृत्य है। जनजातीय में प्रचलित इस नृत्य में पुरुषों द्वारा 10, 20 व 30 संख्या में समूह बनाकर नृत्य करते हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि डंडा नृत्य पुरुषों के सर्वाधिक कलात्मक और मनपसंद नृत्यों में माना जाता है हर कोई डंडे एक दूसरे से टकराते है, जिससे मनमोहक ध्वनि निकलती है। डंडों से नृत्य करने वालों के अलावा भी एक समूह होता है, जो नृत्य करने के लिए संगीत गायन करते हैं। इसके साथ ही समूह में एक व्यक्ति नृत्य को ताल और गति देता है, उस व्यक्ति के कार्य को कुटकी देना कहते हैं। इसके अलावा समूह में एक मादर, ढोल, झांझ, मंजीरा, हारमोनियम, बांसुरी बजाने वाले और एक व्यक्ति तिरली बजाता है। मनमोहक मधुर ध्वनि ही इस नृत्य की विशेषता है। तिरली में मनमोहक स्वर उत्पन्न करना सभी के लिए आसान नहीं होता इसके लिए बहुत अनुभव की आवश्यकता होती है डंडा नाच एक गोलाकार आकार में किया जाता है नृत्य करने वाले समूह के सदस्यों के हाथ में एक या दो डंडे होते हैं नृत्य के शुरुआत में आपस में नृत्य ताल बैठाया जाता है फिर कुहकी देने वाले के कुहकी देने पर संगीत गायन के साथ नृत्य का शुभारंभ किया जाता है।

सीवरेज टैंक में खेलते हुए गिरा बच्चा,दोस्तों ने बचाया

रायपुर (आरएनएस)। रायपुर के कमल विहार इलाके में रविवार को हादसे में एक बच्चे की जान बच गई। यहां सड़कों पर कई सीवरेज टैंक हैं। इस टैंक को ढंका नहीं गया है। सेक्टर 4 इलाके में क्रिकेट खेलते हुए एक बच्चा इस टैंक में जा गिरा।

मिली जानकारी के मुताबिक संडे की सुबह लालपुर में रहने वाला आर्यन निषाद (8) अपने कुछ दोस्तों के साथ कमर विहार क्रिकेट खेलने पहुंचा था। गेंद के पीछे भागते-भागते उसका पांव सड़क पर खुले टैंक में चला गया। झटके से आर्यन सीवरेज में गिरा, अंदर की तरफ एक पाइप को पकड़कर आर्यन मदद के लिए चीखने लगा। उसके साथ क्रिकेट खेल रहे हिमांशु और कुंदन नायक (14) वहां पहुंचे।

कुंदन ने बताया कि हिमांशु को अंदर फंसा देखकर उसने सड़क पर लेटकर अपना हाथ अंदर डाला। आर्यन ने कुंदन का ब्रेसलेट पकड़ लिया। जैसे-तैसे आर्यन कुछ देर लटका रहा। इसके बाद हिमांशु ने बैट आर्यन की ओर बढ़ाया, दोनों बच्चों ने मिलकर इसके बाद आर्यन को ऊपर खींचा और उसकी जान बचाई, कुछ देर बाद आस-पास के रहवासी भी यहां पहुंचे और बच्चों की सुध ली। आर्यन और किसी साथी को चोट नहीं आई, कुछ देर बाद ये सभी लालपुर अपने घर को लौट गए। करीब 20 फीट गहरे इस टैंक में गंदा पानी भरा हुआ था, इसमें डूबने की वजह से कोई अनहोनी हो सकती थी। मगर पास में ही खेल रहे इस बच्चे के दोस्तों ने बहादुरी दिखाकर अपने साथी को बचा लिया।

SJU - Contact No. +91 9301915303
E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
Join SJU
अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं० 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कृष्ण सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी साकुन्दे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जायेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जायेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जायेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जायेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जायेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जायेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जायेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जायेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जायेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जायेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

राज्य में उद्यानिकी फसलों की खेती के लिए कृषकों को प्रोत्साहित करें : मंत्री रविन्द्र चौबे

» छत्तीसगढ़ राज्य शाकम्भरी बोर्ड कार्यालय उद्घाटित

रायपुर (आरएनएस)। कृषि एवं जल संसाधन मंत्री रविन्द्र चौबे ने आज इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर लभांडी (जोरा) में छत्तीसगढ़ राज्य शाकम्भरी बोर्ड के कार्यालय का फीता काट कर विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने शाकम्भरी बोर्ड के अध्यक्ष रामकुमार पटेल, सदस्य सर्व दुखवाराम पटेल, अनुराग पटेल, हरि पटेल, पवन पटेल, उद्यानिकी संचालक माथेश्वरन वी., बोर्ड के सचिव नारायण सिंह लावत्रे सहित उपस्थित लोगों को मां शाकम्भरी जयंती की बधाई और शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, कृषि विज्ञान केन्द्र एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी और मरार-पटेल समाज के पदाधिकारी व बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

मंत्री चौबे ने कहा कि छेरछेरा पर्व और शाकम्भरी जयंती का छत्तीसगढ़ के जन-जीवन में विशेष महत्व है। यह समृद्ध दानशीलता और सामाजिक समरसता का पर्व है। दान देने और ग्रहण करने का यह पर्व छोटे-बड़े के भेदभाव और अहंकार की भावना को समाप्त करता है। उन्होंने कहा कि मां शाकम्भरी का श्रृंगार सब्जी-भाजी से करके पूजा-अर्चना की जाती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छेरछेरा शाकम्भरी जयंती के अवसर पर राज्य में छुट्टी की घोषणा की है। छत्तीसगढ़ में सब्जी-भाजी की खेती करने वाले किसानों को प्रोत्साहन और शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए शाकम्भरी बोर्ड का गठन किया गया है। अध्यक्ष रामकुमार पटेल सहित चार सदस्यों की नियुक्ति भी की गई है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य राज्य में साग-सब्जी, फल-फूल और मसाले की खेती को बढ़ावा देना तथा किसानों की माली हालत को बेहतर बनाना है। उन्होंने कहा कि सब्जी और फल का उत्पादन बढ़ने से सुपोषण को बढ़ावा मिलेगा।

मंत्री चौबे ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा राज्य में उद्यानिकी फसलों की खेती को बढ़ावा देना है। उन्होंने शाकम्भरी बोर्ड के पदाधिकारियों से अपील की कि वह मुख्यमंत्री की मंशा को पूरा करने के लिए पूरे मनोयोग से जुट जाए। किसानों को उद्यानिकी खेती के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करें और उन्हें विभागीय योजनाओं से लाभान्वित करें। मंत्री चौबे ने उद्यानिकी विभाग द्वारा संचालित नदी-कछार योजना के माध्यम से किसानों को साग-सब्जी की खेती से जोड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि क्लस्टर में उद्यानिकी फसलों की खेती को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में वहां के मौसम, जलवायु एवं मिट्टी के आधार पर उद्यानिकी की फसलों की खेती करना ज्यादा लाभप्रद होगा।